टेरी फॉक्स की कहानी

चुनौतियों का सामना

एन जॉनसन

टेरी फॉक्स की कहानी

चुनौतियों का सामना

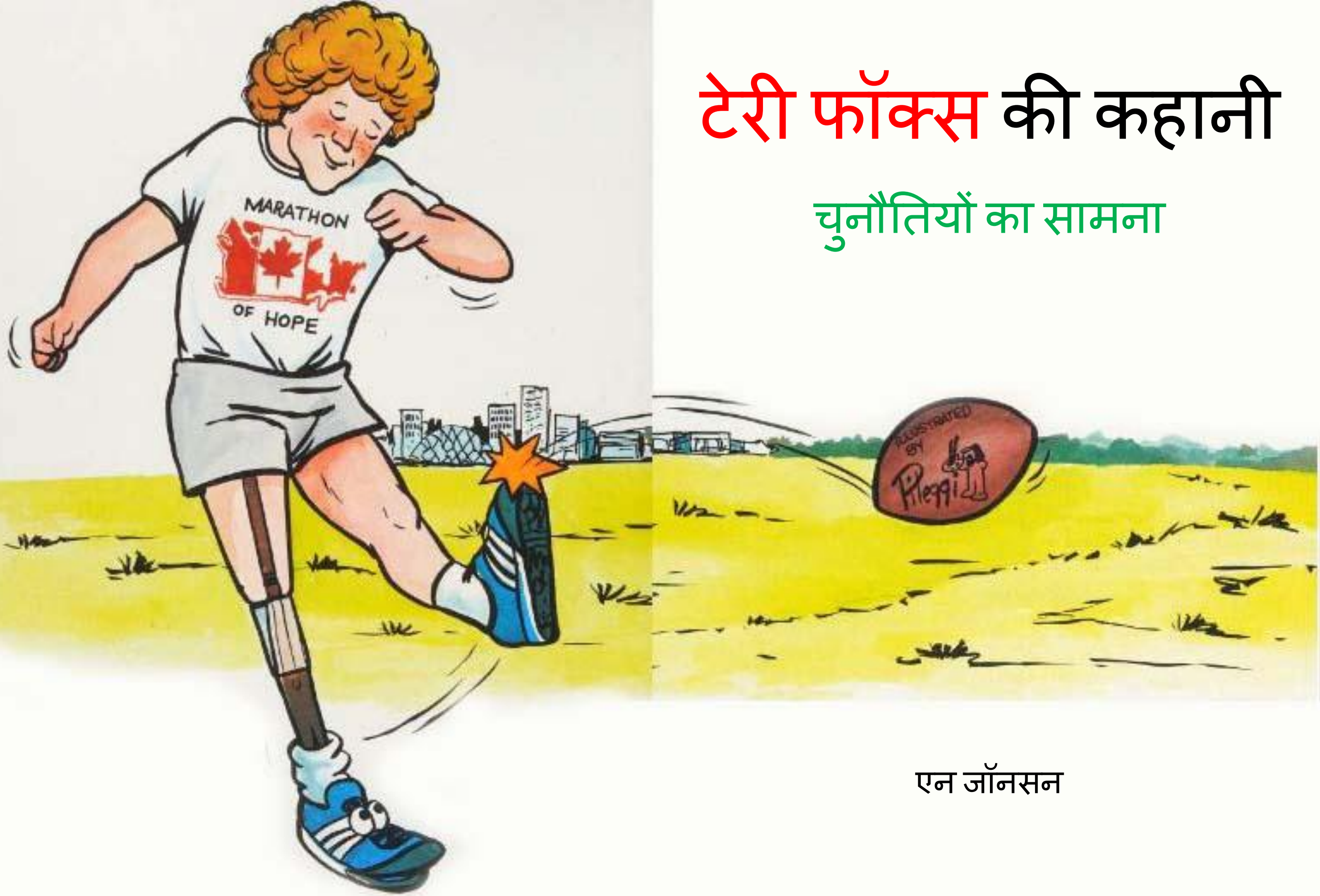

एन जॉनसन

बहुत समय पहले की बात है, टेरी फॉक्स नाम का एक लड़का कनाडा के पोर्ट कोक्विटलम में बड़ा हो रहा था.

वैसे टेरी एक साधारण लड़का था. "एक औसत लड़का," वो अपने आपको एक साधारण लड़का मानता था. और तमाम लोगों की तरह, वो एक सामान्य, औसत ज़िंदगी जीने की सोचता था.

जैसा हम देखेंगे, उसके जीवन में वैसा बिल्कुल भी नहीं हुआ.

फॉक्स का एक प्यार करने वाला परिवार था. लेकिन उसमें —खुद टेरी, उसके माता-पिता, रोली और बेट्टी, उसके भाई. फ्रेड और डेरेल और उसकी बहन, जूडिथ—सभी दृढ़ मन वाले लोग थे.

इसलिए फॉक्स परिवार में हमेशा ढेर सारी मस्ती और हंसी के साथ बहुत सारी या बहस और चर्चा भी होती थी. इसलिए टेरी तर्कों में तेज़ हो गया था.

टेरी फॉक्स एक बात को छोड़कर सभी तरह से औसत था.

टेरी को चुनौतियाँ पसंद थीं. एक बार जब वो कुछ शुरू करता तो उसे पूरा करने तक हार नहीं मानता था.

वो ज़ब बहुत छोटा था तो अपने लकड़ी के ब्लॉक्स तो एक-दूसरे पर रखकर ऊंचा ढेर बनाता था. वो कभी हार नहीं मानता था.

बाद में उसकी जब खेलों में रूचि जागी तो उसने उन्हें खेलना जारी रखा. टेरी जो काम शुरू करता था उसे वो हमेशा ख़त्म करता था.

"टेरी, अब बहुत हो चुका. अब खाने पर आओ!" उसकी माँ बुलाती थीं.

"ठीक है माँ," वो उत्तर देता. "मैं आ रहा हूं."

जैसे-जैसे वो बड़ा हुआ टेरी ने अपने लिए कई चुनौतियाँ चुनीं. बास्केटबॉल उनमें से एक थी. टेरी अपनी उम्र के हिसाब से छोटा था, लेकिन उसने स्कूल की टीम अपना स्थान बनाने की ठान ली थी.

एक दिन टेरी और उसका दोस्त डग अलवर्ड, स्कूल के बाद बातचीत कर रहे थे. टेरी अचानक उछल पड़ा.

"चलो, डग," उसने कहा. "अब बैठे-बैठे बहुत हो गया. चलो रात के खाने से पहले कुछ देर बास्केटबॉल का अभ्यास करते हैं."

"मुझे कुछ आराम करने दो!" डग चिल्लाया. "आठवीं कक्षा में तुम ही एकमात्र ऐसे छात्र होगे जो चौबीस घंटे बास्केटबॉल के बारे में सोचते होगे." लेकिन, हमेशा की तरह डग उसके साथ गया.

"वैसे," डग ने खेलते हुए पूछा, "आज जब तुम प्रैक्टिस के लिए गए तो कोच ने तुमसे क्या कहा?"

"ज्यादा कुछ नहीं," टेरी बुदबुदाया.

"स्कूल के बाद तुम बहुत परेशान लग रहे थे. उसने ज़रूर कुछ कहा होगा," डग ने जोर देकर कहा.

टेरी ने आह भरी. "कोच ने कहा कि मैं बास्केटबॉल के लिए बहुत छोटा हूं. उन्हें लगता है कि मैं कुश्ती खेलने के लिए बेहतर रहूंगा."

कोच को यह नहीं पता था कि टेरी के लिए अगर कोई काम मुश्किल हो तो वो टेरी के लिए एक चुनौती बन जाता था. फिर टेरी उसे करने का पूरा प्रयास करता था.

टेरी ने बास्केटबॉल में पहले से कहीं अधिक मेहनत की. उसने डग के साथ अभ्यास किया, और साथ में क्रॉस-कंट्री रनिंग भी की.

"मुझे दौड़ने से नफरत है," उसने डग से कहा. "लेकिन कोच ने कहा कि उससे मुझ में सुधार होगा."

कोच को तब बहुत आश्चर्य हुआ जब टेरी टीम में चुन लिया गया. वो अंतिम चुना गया खिलाड़ी था. उससे पहले उसने ज्यादा खेलों में भाग नहीं लिया था. लेकिन वो लगातार सुधार करता रहा.

जल्द ही टेरी हाई स्कूल से स्नातक की डिग्री हासिल करने वाला था. पिता को टेरी पर बहुत गर्व था.

"मेरा टेरी निश्चित रूप से कुछ अलग है," उन्होंने रेल यार्ड में अपने दोस्तों से कहा जहां वो काम करते थे. "उसे A ग्रेड मिला. हाँ सर. उसे हासिल करना उसके लिए एक बड़ी चुनौती थी. साथ में हाई स्कूल बास्केटबॉल टीम में चुना जाना भी उसके लिए एक बड़ी चुनौती थी."

टेरी के पिता ने रेल यार्ड में अपने दोस्तों को शेखी बघारने का आनंद लिया. "वो न केवल बास्केटबॉल टीम में चुना गया," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "लेकिन वो और उसका दोस्त डग एथलीट ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए चुने गए."

रोली फॉक्स को भी अपने बेटे पर गर्व था. टेरी ने अर्ज़ी लिखी और साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय में उसे दाखिला मिला.

"यह काइन्सियोलॉजी क्या विषय है जिसे तुम पढ़ने जा रहे हो?" उसके दोस्त ने पूछा.

"वो शरीर की गति का अध्ययन है," टेरी ने उत्तर दिया.

टेरी की हमेशा की तरह बास्केटबॉल में रूचि थी, और एक बार फिर से कड़ी मेहनत के बाद वो टीम में चुना गया.

लेकिन इससे पहले कि वो विश्वविद्यालय में अपना पहला साल पूरा करता, कुछ बहुत दुखद हुआ.

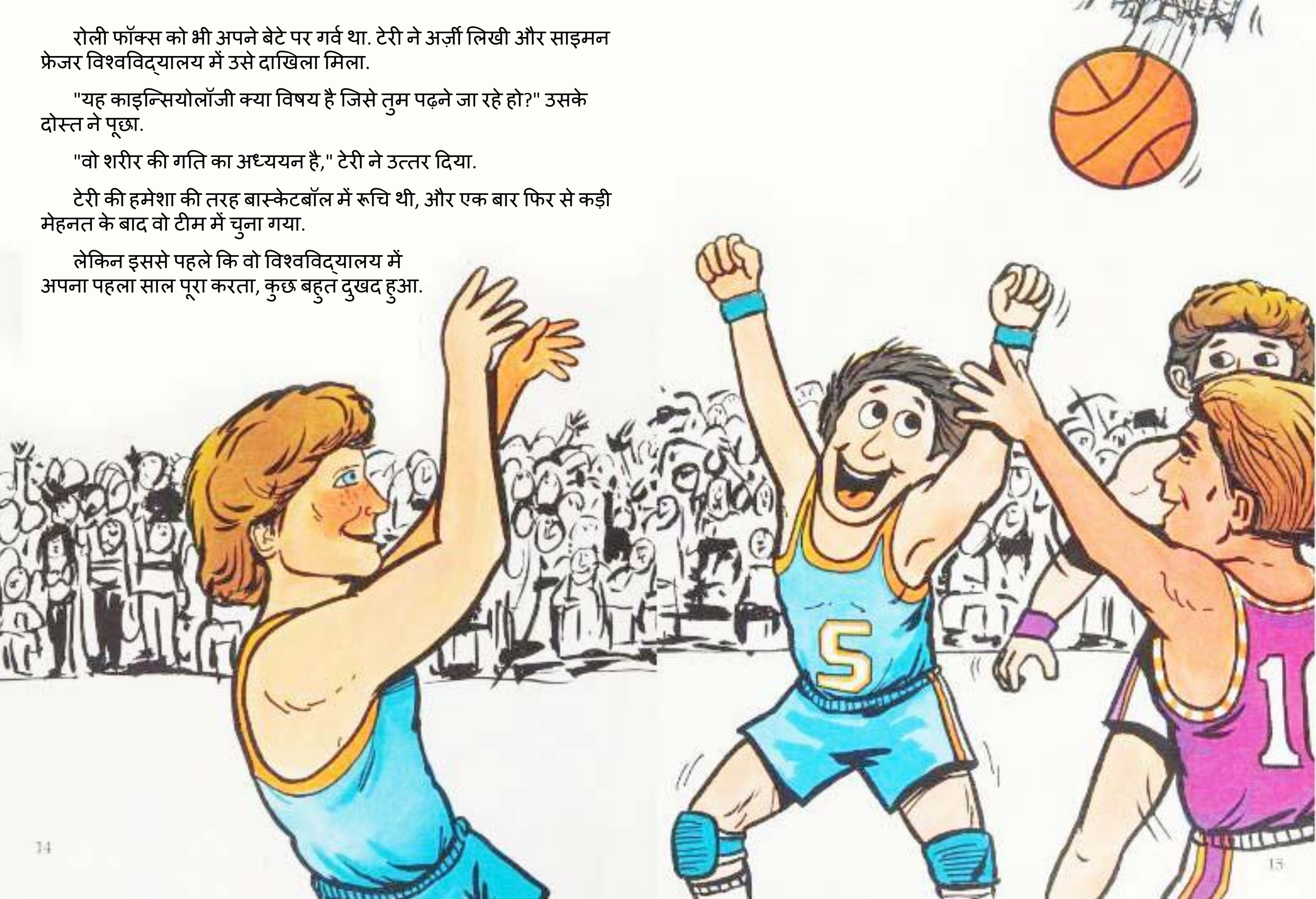

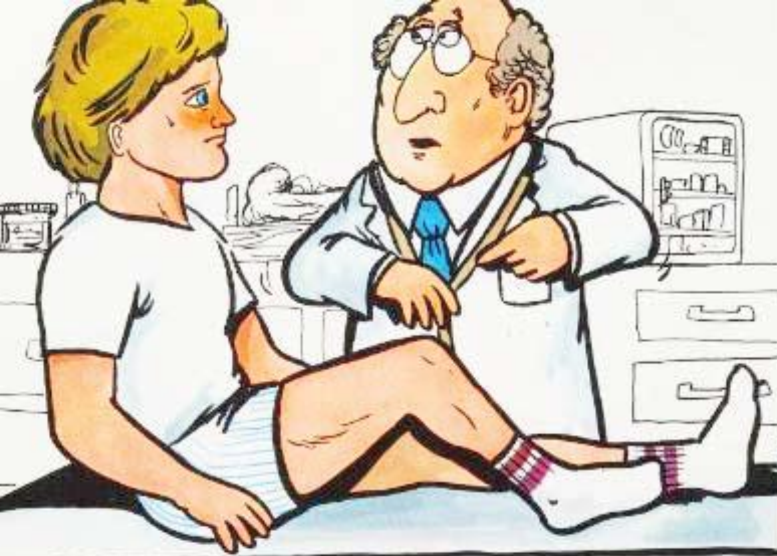

टेरी को हफ्तों से उनके दाहिने घुटने का दर्द परेशान कर रहा था. पहले उसने उसे नजरअंदाज किया और बास्केटबॉल के सीजन के खत्म होने तक इंतज़ार करने का फैसला किया. पर अचानक, उसकी हालत इतनी बुरी हो गई कि वो खड़ा तक नहीं हो सकता था.

टेरी के माता-पिता उसे अस्पताल ले गए. परीक्षणों से पता चला कि टेरी को कैंसर था. वो अपना पैर खोने वाला था. डॉक्टर ने उसे जब यह बताया तो टेरी रोने लगा.

"लेकिन मैं अपना पैर नहीं खो सकता," उसने विरोध किया. "मैं एक एथलीट हूँ!"

"मैं समझता हूं कि आप कैसा महसूस करते होंगे," डॉक्टर ने उत्तर दिया.

"कोई नहीं समझ सकता है कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूँ," टेरी ने चुपचाप कहा.

बेशक, टेरी सही था. कोई भी सच में उसके दुःख को नहीं समझ कर सकता था, लेकिन उन्होंने निश्चित रूप से कोशिश की. उसके परिवार, उनके कोच, डग और उनके अन्य दोस्तों ने टेरी को अद्भुत समर्थन दिया. "सभी लोगों ने सच में मेरी मदद की उससे मुझे बहुत बल मिला," टैरी ने बाद में कहा.

वो निश्चित रूप से टेरी के जीवन की अब तक की सबसे बड़ी चुनौती थी.

और टेरी ने हमेशा की तरह उस चुनौती का अपने दृढ़ संकल्प से सामना किया. छह हफ्ते बाद, टेरी का एक कृत्रिम पैर था और हाथ में एक बेंत था. टेरी काम पर अपने पिता से मिलने गया. टेरी की इतनी अच्छी हालत देखकर पिता के दोस्त खुश हुए और उन्होंने टेरी के साहस की प्रशंसा की.

"तुम्हारा बड़ी हिम्मत वाला बेटा है," उन्होंने कहा. पर रोली को यह बताने की ज़रूरत नहीं थी. वो इस बात को अच्छी तरह जानती थी.

"चलें पिताजी, चलें बैट-बाल खेलते हैं जिसका आपने वादा किया था," टेरी ने कहा.

उसी रात, टेरी ने अपने हाल और भविष्य के बारे में सोचा. वो अपने माता-पिता के घर के बाहर सीढ़ियों पर बैठा था.

"सभी ने मेरी सहायता की है," उसने सोचा, "अब मुझे बाकी सभी को खुश करना चाहिए. यहां तक कि मेरे बास्केटबॉल कोच टेरी फ्लेमिंग भी अस्पताल में मुझसे मिलने आए थे. वे नहीं समझते कि मैं अंदर से कैसा महसूस करता हूं. वो वकाई एक नई और बड़ी चुनौती है. लेकिन मैं उसे झेल पाऊंगा!"

फिर टेरी ने अपनी जेब से एक मुड़ी हुई पत्रिका का लेख निकाला. उसने पेपर को ध्यान से खोला. कोच ने वो लेख उसे अस्पताल में दिया था. वो लेख एक धावक (रनर) डिक ट्रौम के बारे में था. डिक का भी कृत्रिम पैर था पर उसने न्यूयॉर्क मैराथन में भाग लिया. "ठीक है, अगर डिक वो कर सकता है," टेरी ने सोचा, "तो मैं भी वैसा ज़रूर कर सकता हूँ! असल में, मैं न्यूयॉर्क मैराथन में दौड़ने से कुछ ज्यादा करूंगा."

"मेरे पास एक सपना है, मेरे सामने एक चुनौती है. मैं पूरे कनाडा में समुद्र के एक छोर से दूसरे छोर तक दौडूंगा. यह मेरी "मैराथन ऑफ़ होप" होगी, और उसमें मैं जो भी धन जुटा सकूंगा वो कैंसर रिसर्च के लिए जाएगा."

क्या आपको लगता है कि टेरी सच में ऐसा कर सकता है?

अगले सोलह महीनों तक टेरी अस्पतालों में विशेष उपचार के लिए रहा. अस्पताल में उसके अनुभवों ने उसे कैंसर से लड़ने के लिए और भी अधिक दृढ़ संकल्प का अनुभव कराया. जिस साहस के साथ दूसरों ने बीमारी का सामना किया उसे प्रत्यक्ष में देखकर वो उनकी मदद करना चाहता था.

इसी दौरान टेरी की मुलाकात एक बेहद खास दोस्त से हुई. उसका नाम रिका था. वो बीस साल की थी. रिका ने व्हीलचेयर वॉलीबॉल कोच की हैसियत से विकलांग खिलाड़ियों की मदद की थी. रिका, टेरी से तब मिली जब वो व्हीलचेयर बास्केटबॉल खेल रहा था.

टेरी ने रिका को पूरे कनाडा में दौड़ने के अपने सपने के बारे में बताया. "मुझे लगता है कि यह एक अद्भुत विचार है!" रिका ने कहा. "लेकिन उसके समर्थन के लिए तुम्हें कुछ प्रायोजकों की आवश्यकता होगी." टेरी उसकी बात से सहमत था.

रिका ने सुझाव दिया, "तुम जो करने की सोच रहे हो उसके बारे कुछ बड़ी कंपनियों को लिखो और उन्हें अपनी योजना समझाओ."

"अच्छा विचार है!" टेरी ने कहा. फिर उसने पत्र लिखने शुरू किए. उसने कंपनियों से "मैराथन ऑफ होप" को समर्थन देने की अपील की.

टेरी ने अपने मैराथन की तैयारी शुरू कर दी. शुरू ने उसने कम दूरी की दौड़ लगाईं, लेकिन हर दिन वह थोड़ा और लंबा दौड़ता था. सात दिनों में ही टेरी एक मील दौड़ रहा था.

एक दिन, जब टेरी दौड़ने के बाद आराम करने के लिए बैठा तो उसे अचानक उसे दो छोटी आवाजें सुनाई दीं.

"हेलो टेरी!" उन्होंने कहा. "हमारे नाम स्पीडी और स्पंकी हैं."

चौंककर, टेरी ने नीचे की ओर देखा जहाँ से आवाजें आ रही थीं. उसे लगा वो कल्पना कर रहा था, क्योंकि उसके दौड़ने वाले जूतों पर दो मुस्कुराते हुए छोटे चेहरे उसकी ओर देख रहे थे.

"घबराओ मत, टेरी," वे हँसे. "हम सिर्फ तुम्हारे दोस्त बनना चाहते हैं."

टेरी ने एक पल के लिए सोचा और कहा. "ठीक है, इस चुनौती का सामना करते हुए, मुझे निश्चित रूप से अपने जूतों की आवश्यकता होगी."

खुद की क्षमता को परखने के लिए टेरी ने प्रिंस जॉर्ज मैराथन में प्रवेश किया. वो केवल आधी दूरी ही दौड़ने की सोच रहा था, लेकिन डग के पास टेरी के लिए अलग योजना थी.

"चलो, टेरी. तुम पूरी रेस खत्म कर सकते हो," डग उसकी हौसला अफ़ज़ाई की. डग जानता था की टेरी हमेशा एक चुनौती पसंद करता था. अंत में टेरी मैराथन को पूरा कर पाया.

"तुम कर पाए! तुम कर पाए! " स्पीडी और स्पंकी चिल्लाए और टेरी ख़ुशी से मुस्कुराया.

एक दिन जब रिका टेरी के साथ दौड़ रही थी, वे एक कनाडा के राष्ट्रीय रेलवे स्विचमैन से मिले, जो टेरी के पिता के साथ काम करता था.

"हेलो, टेरी," स्विचमैन मुस्कराया. "तुम कैसे हो?"

"बढ़िया," टेरी ने मुस्कुराते हुए कहा, "जो व्हीलचेयर आप लोगों ने मेरे लिए खरीदी थी उसके लिए धन्यवाद. उसने मुझे शानदार माइलेज दिया."

"हां, हमने सुना है कि तुम अपने दोस्त डग के साथ ट्रैक पर दौड़ रहे हो और व्हीलचेयर बास्केटबॉल भी खेल रहे हैं. आगे क्या करने का विचार है?"

टेरी हँसा.

रिका ने गर्व से कहा, "टेरी, वैंकुवर केबलकार की व्हीलचेयर बास्केटबॉल टीम में है. वे फाइनल में प्रथम स्थान पर आए हैं."

"क्योंकि टेरी टीम में था शायद इसलिए वो संभव हुआ," स्पीडी और स्पंकी ने कहा.

"मैं लगातार एक सौ एक दिन दौड़ा," टेरी ने गर्व के साथ कहा. "शायद मैं इससे और अधिक कर पाता लेकिन मैंने माँ से क्रिसमस के दिन छुट्टी लेने का वादा किया था. यह मेरे प्रशिक्षण का एक हिस्सा है," उसने कहा. और फिर उसने कैंसर अनुसंधान के लिए धन जुटाने के लिए पूरे कनाडा में दौड़ने की अपनी योजना के बारे में बताया. रेलकर्मी को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ.

"क्यों टेरी, क्या तुम पागल हो गए हो!" वो चिल्लाया.

टेरी ने आह भरी. "शुरू में माँ भी यही सोचतीं थीं."

"और तुम्हारे पिताजी को क्या कहना था?"

"अब पूरा परिवार मेरे साथ है," टेरी ने खुशी से उत्तर दिया. उन्होंने रास्ते में रहने के खर्च के लिए पैसे जुटाने के लिए गेराज बिक्री और एक नृत्य का आयोजन किया है. उसमें वे बहुत सफल रहे हैं."

जब रेलकर्मी का अभी भी संदेह कम नहीं हुआ, तो रिका ने कहा, "मुझे लगता है कि यह एक अद्भुत विचार है," उसने दृढ़ता से कहा. "मैं उसके लिए प्रार्थना करूँगी."

टेरी मुस्कुराया. "और डग भी मेरे साथ जा रहा है. जब मैंने उसे बताया तो वो बिलकुल भी आश्चर्यचकित नहीं हुआ. उसने बस यह पूछा कि हम कब जायेंगे."

वो दिन जल्दी आ गया. प्रशिक्षण में 3,000 मील दौड़ने के बाद, टेरी कनाडा के पूर्वी तट पर न्यूफ़ाउंडलैंड के लिए एक विमान में सवार हुआ. वो पूरे कनाडा में 5,100 मील की दौड़ की चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार था.

जिस दिन टेरी ने दौड़ना शुरू किया, उसके परिवार और दोस्तों ने सुबह-सुबह उसे टेलीविजन पर देखा.

सेंट जॉन्स, न्यूफ़ाउंडलैंड में टेरी और डग दोनों साथ थे. डग, फोर्ड मोटर कंपनी द्वारा दान की गई एक वैन चला रहा था जिसमें इंपीरियल ऑयल द्वारा दान की गई गैस का इस्तेमाल किया गया था. टेरी द्वारा लिखे पत्रों ने काम किया था! कई अन्य बड़ी कंपनियों ने भी टेरी की मदद की. बड़ी कंपनियां भी चुनौतियों को समझती हैं. स्पीडी और स्पंकी भी इसे समझ गए.

12 अप्रैल 1980 का दिन था. उस ठंडी बरसात की सुबह टेरी ने संवाददाताओं से कहा कि उसकी चुनौती कैंसर अनुसंधान के लिए एक लाख डॉलर जुटाने की थी. उसे एक दिन में तीस से चालीस मील दौड़ने और छह महीने में फोर्ट कोक्विटलम में घर वापस आने की उम्मीद थी.

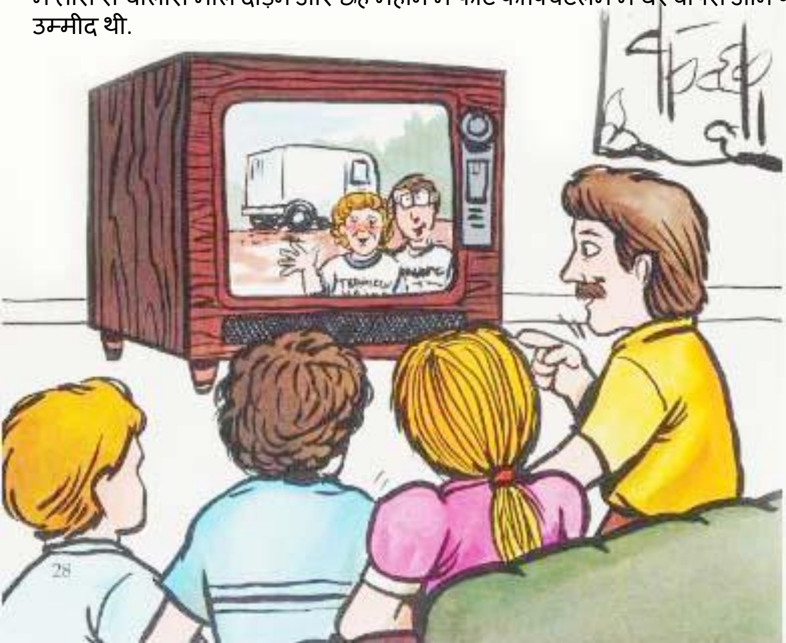

एक रिपोर्टर ने कहा. "आप काफ़ी आत्मविश्वासी लग रहे हैं."

"वो केवल मेरे और मेरे दिमाग पर निर्भर होगा," टेरी ने उत्तर दिया, "मेरा बहुत सकारात्मक दृष्टिकोण है. मुझे लगता है कि मैं वो कर पाऊंगा."

"हमें भी लगता कि आप इसे कर पाएंगे टेरी," स्पीडी और स्पंकी फुसफुसाए. "हम हर तरह से आपके साथ रहेंगे."

टेरी ने अपने छोटे दोस्तों की ओर देखा और वो मुस्कुराया.

जब टेरी ने अपनी दौड़ शुरू की, स्पीडी और स्पंकी चुपचाप चर्चा कर रहे थे कि वे टेरी के लिए उस काम को कैसे आसान बना सकते थे. स्पंकी, टेरी के कृत्रिम पैर पर था और स्पीडी अपने अच्छे पैर पर था, "ठीक है, टेरी, तुम मुझ पर डबल हॉप के साथ शुरू करो," स्पीडी ने सुझाव दिया. "और फिर मुझसे एक लंबा कदम रखो," स्पंकी ने कहा.

"वो बहुत अच्छी तरह से काम करना चाहिए," टेरी ने कहा. "चलो इसे आजमाते हैं."

टेरी को दौड़ता देख उसके दृढ़ निश्चय से भरे चेहरे ने कनाडावासियों के दिलों को जोश से भर दिया.

लोगों ने उन्हें अपने घरों में भोजन के लिए आमंत्रित करना शुरू किया. वो जिस पहले शहर में दौड़ा वहां से चंदा आया. दस हजार लोगों के एक शहर में, दान में शानदार 10,000 मिले.

प्रति व्यक्ति एक डॉलर. अब वो टेरी के मैराथन ऑफ होप के लिए सपना बन गया था.

पर हालात बिल्कुल गुलाबी नहीं थे. अगले कुछ हफ्तों में टेरी को बहुत निराशा हुई. वो अक्सर एक शहर से दूसरे शहर तक जाता था, पर वहां उसका कोई इंतजार नहीं कर रहा होता था. और इसका मतलब था कैंसर अनुसंधान के लिए पैसा नहीं मिलना.

कभी-कभी टेरी सचमुच निराश हो जाता था. लेकिन स्पीडी और स्पंकी ने उसे खुश करने का एक तरीका ढूंढ लिया था. "चलो, टेरी, अभी और भी बहुत से शहर हैं," वे उससे कहते.

टेरी के लिए दौड़ना मुश्किल था. एक बार उसे चक्कर आया और उसका सिर चकराने लगा, क्योंकि उसके हृदय पर बहुत अधिक दबाव था. इससे वो वाकई डर गया. लेकिन टेरी की एक खासियत थी. उसने वैन में कुछ मिनट आराम किया, फिर बाहर जाकर सड़क पर पंद्रह पुश-अप कीं और फिर से दौड़ने लगा.

"बढ़िया," स्पीडी और स्पंकी ने उसे प्रोत्साहित किया. "बस याद रखें, एक डबल हॉप और एक लंबा कदम."

टेरी के मैराथन ऑफ होप ने न्यूफ़ाउंडलैंड में 40,000 डॉलर एकत्र किए. बच्चों ने अपना जेब-खर्च दान में दिया, और एक समूह ने अपने स्कूल में उनका स्वागत करने के लिए एक विशेष गीत लिखा.

टेरी ने उन्हें बताया. "मैं शर्त लगाता हूं कि आप में से कुछ लोग मेरी हालत पर खेद महसूस करते होंगे. पर कृत्रिम पैर होने के अपने कुछ फायदे भी हैं. मैंने कई बार अपना दाहिना घुटना तोड़ा है, पर उसमें थोड़ा भी दर्द नहीं हुआ है."

बच्चे हँसे. उन्हें टेरी बहुत पसंद आया.

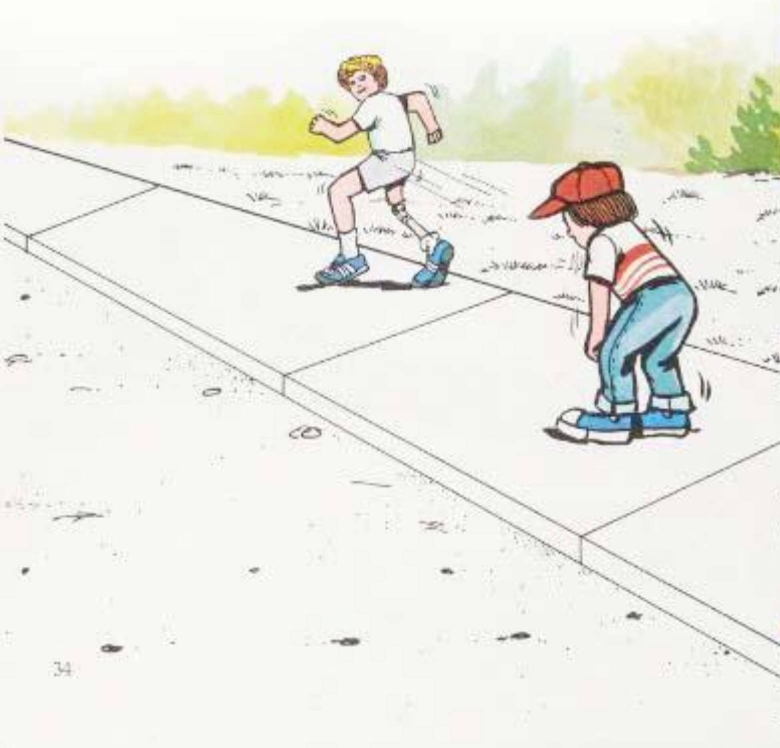

टेरी को युवा लोग बहुत पसंद थे. टेरी के दौड़ने के दौरान युवा लोग भी उसके साथ दौड़ते थे. टेरी अपनी क्षमता दिखाने के लिए कभी-कभी बहुत तेज़ गति से दौड़ता था. वो उन्हें दिखाना चाहता था की वो क्या कर सकता था. अंत में दौड़ने वाले युवा थक जाते थे.

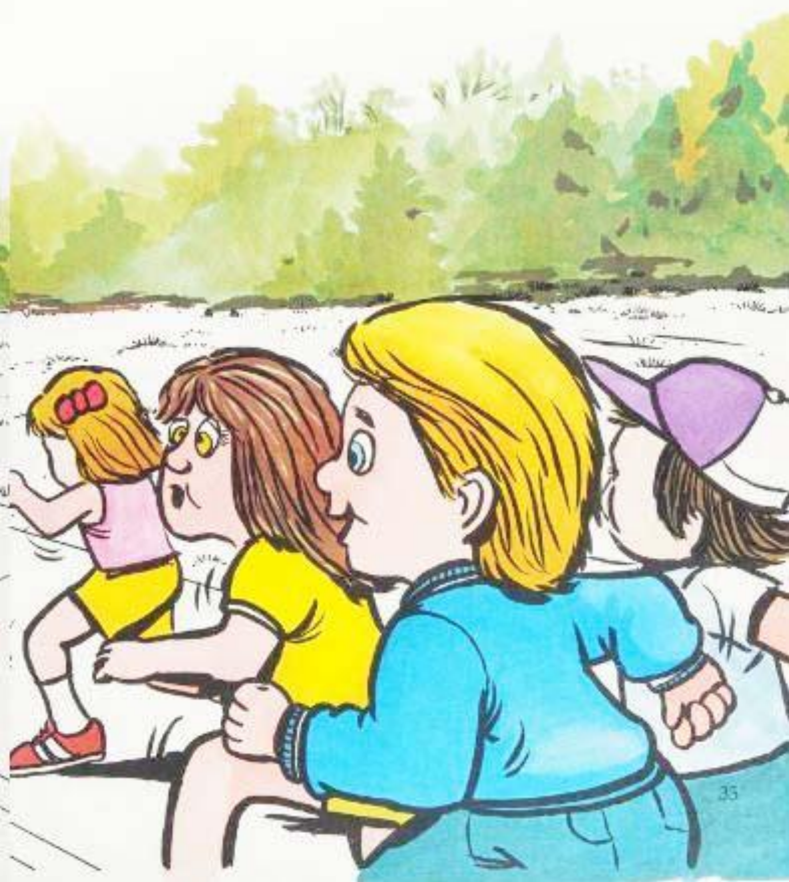

हैलिफ़ैक्स मेल स्टार अखबार ने 21 मई को टेरी पर एक लेख लिखा.

अखबार ने टेरी के हवाले से कहा, "ऐसा लगता है कि लोग यह भूल गए हैं कि मैं यह सब कुछ क्यों कर रहा हूं. उन्हें लगता है कि मैं अपनी अहंकार यात्रा पर कनाडा भर में दौड़ रहा हूं. हाँ, यह एक व्यक्तिगत चुनौती है, लेकिन मैं कैंसर अनुसंधान के लिए अधिक से अधिक धन जुटाने की कोशिश कर रहा हूं. मुझे लोगों के समर्थन की जरूरत है."

टेरी ने प्रिंस एडवर्ड आइलैंड और फिर न्यू ब्रंसविक के पार लगातार प्रगति की. दान आते रहे और टेरी मीलों आगे बढ़ा चाहे वह कितना भी थका क्यों न हो.

टेरी के लिए बस दौड़ना ही काफी कठिन था. लेकिन दिन की दौड़ खत्म होने के बाद उसे प्रेस कॉन्फ्रेंस और फंड जुटाने वाले रात्रिभोज में भी शामिल होना पड़ता था. सौभाग्य से, डग और टेरी के छोटे दोस्त, स्पीडी और स्पंकी, हमेशा उसके समर्थन के लिए मौजूद होते थे.

"मुझे पता है कि आप थके हुए हैं, लेकिन जो लोग आपके सपने के लिए बहुत पैसा दान कर रहे हैं. वो आपको व्यक्तिगत रूप से देखना चाहते हैं. आपको उनके लिए वो करना चाहिए," स्पीडी ने टेरी को याद दिलाया.

टेरी को वास्तव में याद दिलाने की आवश्यकता नहीं थी. वो अपनी जिम्मेदारी को बखूबी समझता था. वो हर बार शामिल हुआ और ज्यादातर बार उसने उसका आनंद भी लिया.

कुछ कठिन दिन भी थे. वे दिन जब वे लगभग कोई पैसा नहीं जमा कर पाए. एक दिन टेरी गेंदों के आकार के ओलों की बौछार से गुज़रा. एक दिन वो लगभग कारों की चपेट में आ गया.

लेकिन कुछ अच्छे दिन भी होते थे.

मॉन्ट्रियल में चार व्हीलचेयर वाले एथलीट और एक फुटबॉल स्टार, डॉन स्वीट, टेरी के साथ सिटी हॉल में एक स्वागत समारोह में गए.

होटलों की एक अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अध्यक्ष ने लड़कों को लक्ज़री कमरों में रहने दिया. लड़कों ने वैसा पहले कभी अनुभव नहीं किया था.

"ज़रा इन्हें देखो," डैरेल ने आश्चर्य से कहा, जब उसकी टी-शर्ट लॉन्ड्री से धुलकर वापस आई. "हरेक टी-शर्ट को कागज में लपेटा गया है जैसे कि वो बिल्कुल नई हो."

जून में टेरी को एक अद्भुत आश्चर्य मिला. उसका छोटा भाई डैरेल, मैराथन ऑफ होप में उसके साथ शामिल हुआ. टेरी खुश था क्योंकि डैरेल परिवार का जोकर था.

"मैं शर्त लगाता हूँ कि तुम ऐसा नहीं कर सकते," डैरेल ने हवा में छलांग लगाते हुए और अपनी एड़ी पर क्लिक करते हुए कहा.

"मुझे नहीं लगता कि मैं वो करने की कभी कोशिश करूँगा," स्पंकी ने चेतावनी दी

टेरी हँसा. "मैं उस तरह के करतब डैरेल पर छोड़ता हूं."

डैरेल के साथ होने से टेरी की आत्मा को बल मिला, खासकर कठिन दिनों में.

लेकिन ओंटारियो प्रांत में मैराथन ऑफ होप को बहुत बल मिला. हॉक्सबरी, ओंटारियो सीमा के अंदर पहले शहर में टेरी का स्वागत चीयर्स, गुब्बारों और एक ब्रास बैंड के साथ हुआ. उन्हें चमकती रोशनी वाला एक पुलिस एस्कॉर्ट भी मिला.

दो युवा साइकिल चालक, जिम ब्राउन और गर्थ वाकर, कनाडा की राजधानी ओटावा में टेरी से मिले. वे टोरंटो से तेईस घंटे में तीन सौ मील की दूरी सवार करके 50,000 डॉलर से अधिक दान लेकर आए थे जो उन्होंने मैराथन ऑफ होप के लिए जुटाई थी.

अगले दिन टेरी ने एक कनाडाई फुटबॉल लीग प्रदर्शनी खेल की आधिकारिक शुरुआत की. 16,000 की भीड़ ने खड़े होकर उनका स्वागत किया.

ओटावा में टेरी ने कनाडा के गवर्नर जनरल एडवर्ड श्रेयर से भी मुलाकात की.

आप सोचते होंगे कि टेरी ने इस अवसर के लिए विशेष कपड़े पहने होंगे.नहीं, टेरी ने अपनी वही पुरानी ग्रे फलालैन शॉर्ट्स और अपनी मैराथन ऑफ होप टी-शर्ट पहनी थी. वो चाहते थे कि लोग यह याद रखें कि वह किस उद्देश्य के लिए दौड़ रहे थे - कैंसर अनुसंधान.

उन्होंने ये कपड़े तब भी पहने थे जब वो प्रधानमंत्री पियरे इलियट ट्रूडो से भी मिले थे.

ओंटारियो में, टेरी का उत्साह सचमुच बढ़ गया. स्कूली बच्चों ने अपने पॉकेट मनी में से पैसे दान दान दिए. शिक्षकों ने अपने छात्रों द्वारा दी गई राशि जितना ही पैसा दिया. भोर और बारिश में भी, लोग टेरी के गुजरने का इंतजार करने के लिए राजमार्गों पर लाइन लगाने लगे थे.

टेरी को देखते ही बस चालक अपनी बसें रोक लेते थे. उन्होंने अपने यात्रियों से डग या डैरेल को सौंपने के लिए धन एकत्र किया. दौड़ने के बाद टेरी ने उन्हें धन्यवाद दिया.

रेडियो स्टेशन और कनाडाई टीवी नेटवर्क अब लगभग हर समय टेरी को कवर कर रहे थे. एक अमेरिकी नेटवर्क ने भी टेरी की कहानी सुनाई. उन्होंने कार्यक्रम "रियल पीपल" के लिए टेरी को फिल्माने के लिए एक दल भेजा - शो की होस्ट, सारा पुरसेल, टेरी का साक्षात्कार लेते समय उसके साथ दौड़ीं.

टेरी के लिए सेलिब्रिटी होना एक नई चुनौती थी. वो अब थक गया था, लेकिन जनता उसे देखना चाहती थी. टेरी को लोग शॉपिंग मॉल में घेर लेते थे. हर कोई उसे छूना चाहता था, उससे हाथ मिलाना चाहता था, उसका ऑटोग्राफ लेना चाहता था.

"मैं कैंसर को चुनौती देने वाला एक साधारण आदमी हूं. यह आशा की दौड़ है, जिसके बारे में आपको सोचना चाहिए, मेरे बारे में नहीं," टेरी उन्हें याद दिलाता था.

टोरंटो शहर के ठीक बाहर एक अद्भुत आश्चर्य टेरी की प्रतीक्षा कर रहा था.

टेरी थक गया था और अपने दौड़ने पर ध्यान केंद्रित कर रहा था.

अचानक स्पीडी और स्पंकी चिल्लाए, "अरे टेरी, आगे देखो!"

टेरी ने देखा. उसका पूरा परिवार सड़क के किनारे खड़ा था. शहर के अखबारों में से एक ने उन्हें टेरी के साथ मिलवाने के लिए भेजा था.

अगले कुछ मिनटों तक, हर कोई गले मिलकर रोया और हंसा और सब लोग उससे एक साथ सवाल पूछ रहे थे. फिर, अपने दिमाग में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती के साथ, टेरी ने फिर से दौड़ शुरू की. वो अपने दिल से दौड़ा जिससे उसकी थकान जादू की तरह दूर हो गई.

अगला दिन एक और आश्चर्य लेकर आया. ओंटारियो में दौड़ का आयोजन कर रहे बिल विगर्स ने टेरी से पूछा था कि क्या वह टोरंटो में कुछ खास करना चाहते हैं.

"मेरे अपने हीरो डैरिल सिटलर और बॉबी ऑर से मिलकर अच्छा लगेगा," टेरी ने उत्तर दिया. टेरी को लगा था कि सिटलर इसे संभव बनाने में सक्षम नहीं होंगे.

टेरी की उस खुशी की कल्पना कीजिए जब सिटलर नाश्ते के बाद होटल पहुंचे. लाल नेकर और टेरी फॉक्स टी-शर्ट पहने, वो टेरी के कमरे में गए और उन्होंने लापरवाही से पूछा. "क्या कोई दौड़ने के लिए चलना चाहता है?"

टेरी जब दौड़े तब टोरंटो में दोपहर के समय तापमान नब्बे डिग्री था. लोग की बड़ी भीड़ ने उनके लिए बेतहाशा तालिया बजायीं. चर्च में जाने वाली एक शादी की पार्टी रुक गई और दूल्हा, दुल्हन और पादरी सहित हर कोई जय-जयकार करने में शामिल हो गया. एक आदमी इतना बहक गया कि उसने अपने सारे पैसे दान दे दिए! फिर उसने बस के किराए के लिए पैसे वापिस मांगे.

इतना पैसा दान में मिला कि कैंसर सोसायटी के स्वयंसेवक उसे संभाल नहीं पाए. फिर अधिक स्वयंसेवकों को लेना पड़ा. बड़े-बड़े कचरे के थैलों में पैसे जमा किए गए. स्वयंसेवकों ने रुकने वाली कारों के बीच आगे-पीछे दौड़े ताकि ड्राइवर दान दे सकें.

दौड़ टोरंटो सिटी हॉल के सामने समाप्त हुई, जहां हजारों लोग टेरी की बात सुनने के लिए एकत्र हुए थे.

टेरी कई मशहूर हस्तियों के साथ मंच पर खड़े थे. डैरिल सिटलर ने उन्हें अपना नेशनल हॉकी लीग ऑल-स्टार टीम स्वेटर भेंट किया. "मैं लंबे समय से एथलीटों के आसपास रहा हूं," सिटलर ने कहा, "पर मैंने अभी तक टेरी जैसा साहस और सहनशक्ति किसी और में नहीं देखी."

जैसे ही टेरी दक्षिणी ओंटारियो के भारी आबादी वाले इलाकों से होकर दौड़े, भीड़ ने खूब धन दान दिया.

प्रत्येक दिन की दौड़ बच्चों, वयस्कों, पुलिस एस्कॉर्ट, फिल्म क्रू, हॉर्न बजाती कारों और दर्जनों दान इकट्ठा कर रहे स्वयंसेवकों की परेड बन गई. वे दोपहर के भोजन के लिए टोरंटो में वापस लौटते थे. टेरी अपने दूसरे हीरो, बॉबी ऑर से मिला. एक बड़ी कंपनी ने बॉबी को 25,000 डॉलर दिए थे जिससे वो उन्हें टेरी को दे सके .

भीड़ अद्भुत थी, लेकिन थका देने वाली थी. गर्मी तप रही थी.

जब टेरी दौड़ रहा था उसके दो छोटे दोस्त उत्साहजनक बातें करते रहे. "क्या आपको पता है टेरी, आपका उदाहरण लोगों को इस ख़ास उद्देश्य में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा है," उन्होंने कहा. "उससे प्रेरित होकर लोग दुनिया को बेहतर बनाने के लिए कुछ करने की कोशिश कर रहे हैं."

इस बात ने टेरी को गहराई से प्रभावित किया. लोगों को इस तरह से प्रेरित करना उसके लिए एक नया लक्ष्य और एक नई चुनौती बन गई.

टेरी ने कुछ लोगों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया. उदाहरण के लिए, कैदियों ने मैराथन ऑफ होप के लिए कारों को धोकर 900 डॉलर जुटाए.

टेरी के लिए पैसे जुटाने के लिए लोगों ने जो कुछ किया वह काफी मजेदार था. हैमिल्टन के एक व्यक्ति ने केले-नींबू कस्टर्ड की एक टोकरी में इक्यावन घंटे बैठकर 912 डॉलर जुटाए. एक और आदमी अपने हाथों और घुटनों पर साढ़े ग्यारह मील रेंगा और उसने 5,000 डॉलर जुटाए.

दक्षिणी ओंटारियो छोड़ने के बाद टेरी पर दबाव कम हुआ. अब दिन ठंडे हो गए थे. वो अभी भी भीड़, रात्रिभोज और दोपहर के भोजन में शामिल होता था, लेकिन इस इलाके में शहर छोटे और दूर थे.

टेरी अपने बाईसवें जन्मदिन के लिए ओंटारियो के ग्रेवेनहर्स्ट शहर में पहुंचे, और ग्रेवेनहर्स्ट ने उन्हें जन्मदिन की आश्चर्य भेंट मिली! 5,000 के शहर में, नागरिकों ने 14,000 डॉलर का दान दिया. यह टेरी के हर कनाडाई से एक डॉलर दान के सपने से लगभग दोगुना था.

टेरी को हर जगह से जन्मदिन के तार मिले. उनके गृह प्रांत ब्रिटिश कोलंबिया के एक व्यक्ति ने उसे एक हजारों हस्ताक्षरों की शुभकामनायें भेजीं.

उस समय कुछ पत्रकारों ने टेरी के लिए दौड़ना कितना कठिन था उस समस्याओं पर लिखना शुरू किया. "टेरी, आपने जो किया वो बहुत कुछ था," कुछ लोगों ने कहा. "पर अब दौड़ना छोड़ने का समय है."

टेरी जानता था कि लोगों का आशय अच्छा था. लेकिन उसके लिए दौड़ना जितना कठिन होगा, वो उतनी ही बड़ी चुनौती होगी. स्पीडी और स्पंकी समझ गए कि टेरी को कैसा लग रहा होगा.

"अरे स्पीडी, मैं बहुत अच्छा कर रहा हूँ!" स्पंकी चिल्लाया. "तुम कैसे हो?"

"अगर टेरी दौड़ सकता है, तो मैं भी वो कर सकता हूं. आखिरकार, हमारे यहां होने का यही मकसद हैं," स्पीडी ने उत्तर दिया.

टेरी यह साबित करने के लिए दृढ़ था कि जो लोग उसे दौड़ छोड़ने को कह रहे थे, वे गलत थे. टोरंटो से ही लोगों ने उसे चेतावनी दी थी कि उत्तरी ओंटारियो में एक विशेष पहाड़ी उसके लिए बहुत कठिन होगी.

वैन पहाड़ी पर आधे रास्ते में टेरी का इंतजार कर रही थी, जहां वो आमतौर पर कुछ देर आराम करने के लिए रुकता.

लेकिन ज़रा लोगों के आश्चर्य की कल्पना कीजिए जब टेरी वैन के ठीक बगल से दौड़ा! उसने कोई आराम नहीं किया.

"देखो मैं चोटी पर हूं?" वो विजय से मुस्कुराया.

"केक का एक टुकड़ा खाओ, टेरी," स्पीडी और स्पंकी हँसे.

शहरों के अंदर और बाहर, लोग अभी भी टेरी को देखने और उनका अभिवादन करने के लिए सड़कों और राजमार्गों पर कतारों में खड़े होते थे.

"दौड़ो, टेरी, दौड़ो," वे चिल्लाते. "तुम यह कर सकते हैं, टेरी!"

लेकिन अब कस्बे कम और एक-दूसरे से बहुत दूर थे. वहाँ कोई इंसान नहीं दिखता था. तभी पास के समुदाय के इंडियंस से लदा एक पिकअप ट्रक वहाँ से गुजरा. इंडियंस ने हाथ लहराकर टेरी का अभिवादन किया.

कुछ मिनट बाद वही ट्रक फिर से आया. वो बार-बार वापस आया—हर बार ट्रक में नए लोग थे जो हाथ हिलाकर प्रोत्साहित कर रहे थे. ट्रक, टेरी को देखने और उसका उत्साह बढ़ाने के लिए लोगों को बार-बार ला रहा था.

फिर, थंडर बे, ओंटारियो के बाहर टेरी ने अपने सीने में तेज दर्द महसूस किया.

वह शहर के बाहर सिर्फ अठारह मील की दूरी पर था और एक उत्साही भीड़ सड़क पर खड़ी थी. टेरी उन्हें निराश नहीं करना चाहता था. वो दौड़ा.

टेरी ने आठ मील दौड़ लगाई और फिर पंद्रह मिनट आराम किया. पर उसकी छाती में दर्द बना रहा. वो उठा और फिर कुछ और दौड़ा. स्पीडी और स्पंकी बहुत चिंतित हुए. "हम आपके साथ पूरी दूरी जा सकते हैं, टेरी, लेकिन आपको पहले इस दर्द के बारे में जांच करनी होगी."

टेरी ने उत्साहजनक शब्दों की सराहना की, लेकिन वो जानता था कि उसे आखिरी मील ज़रूर दौड़ना होगा. वो वैन में गया और उसने डग से अस्पताल चलने को कहा.

क्या परेशानी थी? क्या वो टेरी का पैर था? क्या वो उसका हृदय था?

इस बार टेरी का पुराना दुश्मन फिर से हमला कर रहा था. अब कैंसर उसके फेफड़ों में फ़ैल गया था.

कुछ ही घंटों में, टेरी के माता-पिता थंडर बे में उसके साथ थे. उसे घर ले जाने के लिए एक प्राइवेट जेट तैयार था. थंडर बे छोड़ने से पहले एक संवाददाता सम्मेलन में, टेरी ने संवाददाताओं से कहा, "मैं लड़ंगा मैं वादा करता हूं. मैं हार नहीं मानूंगा. मुझे उम्मीद है कि फंड जुटाने की अभियान जारी रहेगा."

और दान इकट्ठा करना ज़ारी रहा.

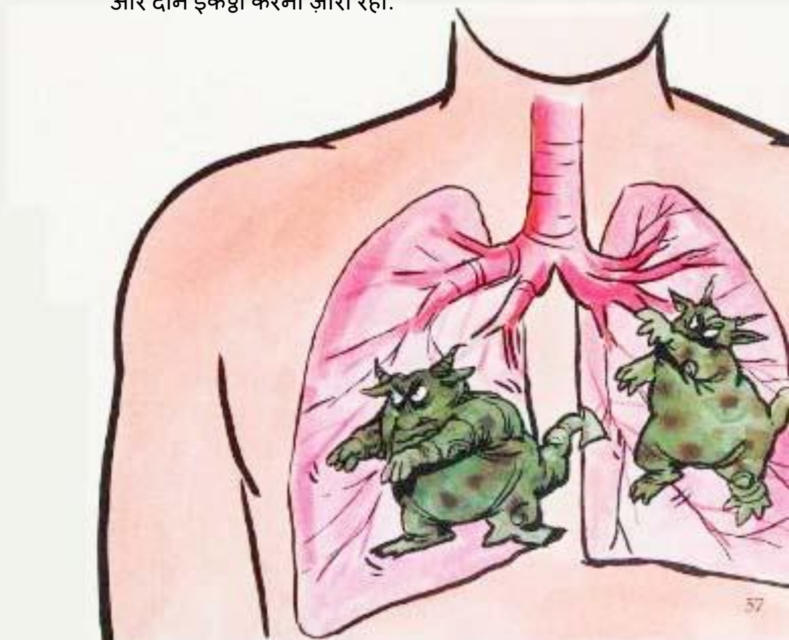

केवल पांच दिनों में, टेरी फॉक्स को श्रद्धांजलि एक राष्ट्रव्यापी प्रसारण आयोजित किया गया, .

टेरी ने टेलीकास्ट देखा और उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ. जॉन डेनवर, ऐनी मरे, एल्टन जॉन, ग्लेन कैंपबेल, गॉर्डन लाइटफुट और नाना मुसकौरी जैसे सितारे उसके लिए गा रहे थे. कनाडा की सर्वश्रेष्ठ बैलेरीना कैरेन केन ने उसके लिए नृत्य किया.

रात के अंत तक, कनाडा के लोगों ने टेरी के मैराथन ऑफ होप को 10.5 मिलियन डॉलर का दान देने का वादा किया.

टेरी की खुद की मैराथन भले ही खत्म हो गई हो, लेकिन मैराथन ऑफ होप का अभियान खूब फल-फूल रहा था.

अगले महीनों में टेरी को नई चुनौती का सामना करना पड़ा और जैसा कि उसने वादा किया था, उसने कड़ा संघर्ष किया.

उन महीनों में टेरी ने बाइबल पढ़ी. "मुझे लगता है कि अगर आपको भगवान में विश्वास हो तो फिर आप कभी हार नहीं सकते," उसने संवाददाताओं से कहा.

क्या आपको लगता है कि कुछ महीने बीतने के बाद लोग टेरी फॉक्स को भूल गए?

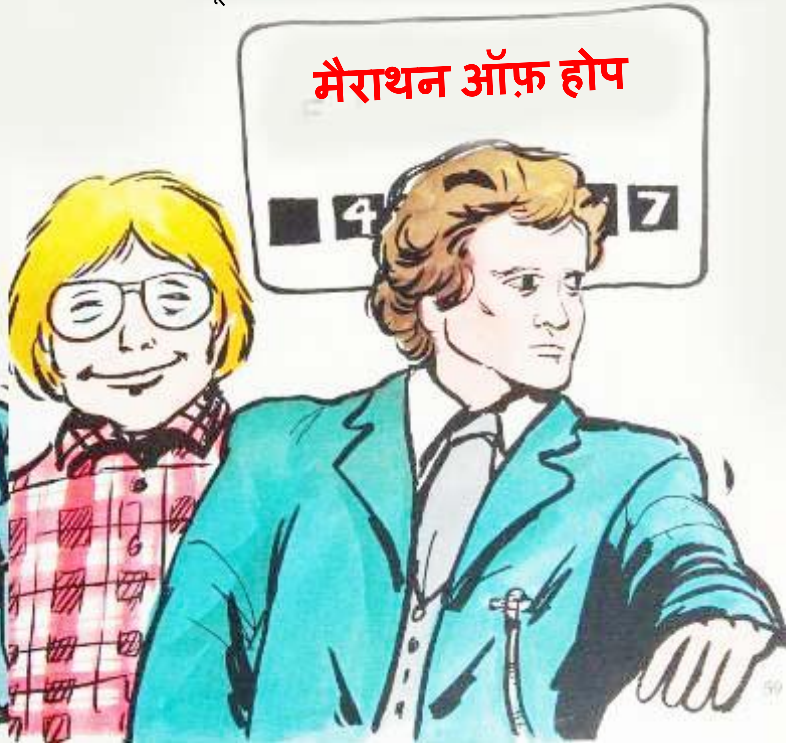

कदापि नहीं! टेरी सबसे सम्मानित व्यक्ति बने. बाईस साल की उम्र में वो कनाडा के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार "कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ कनाडा" प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के कनाडाई नागरिक बने.

उन्हें कई अन्य पुरस्कार भी मिले, जिनमें से एक अमेरिकन कैंसर सोसायटी का अवार्ड भी शामिल था. टेरी के सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया गया. उनका चित्र कैनेडियन स्पोर्ट्स हॉल ऑफ़ फ़ेम में लगाया गया.

फिर 13 सितंबर वाला दिन "टेरी फॉक्स मैराथन होप डे" के रूप में नामित किया गया था. हर साल उस दिन कैनेडियन - दौड़ेंगे, जॉगिंग करेंगे या दस किलोमीटर पैदल चलेंगे - कैंसर अनुसंधान के लिए धन जुटाने के लिए.

टेरी को दुनिया भर के लोगों के हजारों पत्र और संदेश मिले. कुछ महत्वपूर्ण लोगों के थे, जैसे पोप जॉन पॉल द्वितीय और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जिमी कार्टर. ज्यादातर आम लोगों के पत्र थे जिनके दिलों को टेरी ने छुआ था. कुछ पत्रों पर पते के नाम पर सिर्फ टेरी फॉक्स, जनरल डिलीवरी, कनाडा लिखा था.

टेरी फॉक्स का रविवार, 28 जून, 1981 को निधन हो गया. इस खबर से दुखी न होना कठिन था. लेकिन याद रखने वाली महत्वपूर्ण बात यह थी कि टेरी ने अपने जीवन के साथ क्या किया.

टेरी ने खुद को कभी भी उदास नहीं होने दिया. उसकी बजाए, वो बाहर निकला और उसने चुनौतियों का सामना किया.

टेरी पूरे कनाडा में दौड़ने के अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाया. लेकिन वो उस लक्ष्य तक ज़रूर पहुंचा जो उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण था. उसने दुनिया भर में लाखों लोगों को कैंसर अनुसंधान की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया. उसने जितना सोचा था उससे कहीं अधिक धन जुटाया.

"सपने तभी बनते हैं जब लोग कोशिश करते हैं," टेरी ने कहा. उसने निश्चित रूप से इस बात को साबित करके दिखाया. उसने साबित किया कि कोई भी एक साधारण व्यक्ति, एक "छोटा आदमी." भी परिवर्तन ला सकता है.

चाहे आपके सामने कितनी भी बाधाएं क्यों न हों आप चुनौती को सर्वश्रेष्ठ ढंग से स्वीकार करें. फिर आप भी हमारे अच्छे दोस्त टेरी फॉक्स की तरह कुछ परिवर्तन ला सकते हैं.

समाप्त